Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 11

भूगोल

भारत भौतिक पर्यावरण

अध्याय-3 : अपवाह तंत्र

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

ओम प्रकाश खोजा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1 भारत के उत्तरी मैदान की नदियों का अपवाह प्रतिरूप कैसा है ?

अ अरीय

ब वृक्षाकार

स अभिकेंद्रीय

द जालीनुमा



Under CSR Support by ipca | Foundation

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



2 जल – संभर क्षेत्र के आधार पर भारतीय अपवाह द्रोणियों को कितने भागों में बाँटा गया है?

अ 2

ब 3

स 5

द 4

प्रमुख द्रोणी → 20,000 वर्ग km. से अधिक

मध्यम द्रोणी → 2000 - 20,000 वर्ग km

लघु द्रोणी → 2000 वर्ग km. से कम

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



3 भारत में महाखड्ड व V–आकार घाटियों का निर्माण किस नदी तंत्र में होता है?

अ प्रायद्वीपीय नदी तंत्र

ब हिमालयी नदी तंत्र

स अल्पकालिक नदी तंत्र

द इनमें से कोई नहीं

Under CSR Support by ipca | Foundation

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

4 सिंधु नदी हिमालय की कौनसी दो पर्वत श्रेणियों के मध्य से गुजरती हैं?

अ लद्दाख – जॉस्कर

ब पीरपंजाल – धौलाधर

स धौलाधर – शिवालिक

द जॉस्कर – पीरपंजाल



Under CSR Support by ipca | Foundation

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

5 कौनसे प्रयाग के बाद भागरथी नदी का नाम गंगा हो जाता है?

अ विष्णु प्रयाग

ब कर्ण प्रयाग

स रूद्र प्रयाग

द देव प्रयाग

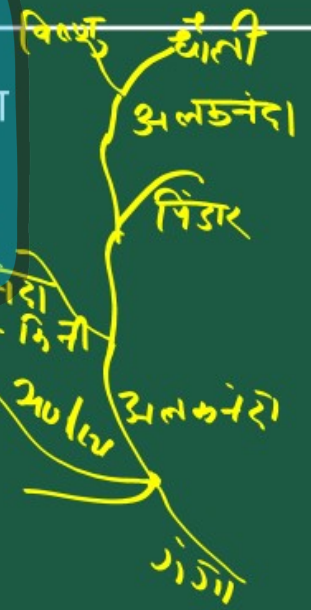

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



6 हिमालयी नदियों द्वारा निर्मित अपरदनात्मक व निक्षेपणात्मक स्थलाकृतियों के नाम बताइए।



अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



6 हिमालयी नदियों द्वारा निर्मित अपरदनात्मक व निक्षेपणात्मक स्थलाकृतियों के नाम बताइए।

उत्तर :

- **अपरदन स्थलाकृतियाँ –** महाखड्ड, V-आकार की घाटियाँ, क्षिप्रिकाएँ व जलप्रपात।
- **निक्षेपणात्मक स्थलाकृतियाँ -** समतल घाटियाँ, गोखुर झीलें. बाढ़कृत मैदान, गुंफित वाहिकाएँ, डेल्टा।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न





7 प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र का उद्विकास कैसे हुआ ?



7 प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र का उद्विकास कैसे हुआ ?

उत्तर : प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र का उद्विकास-

तीन प्रमुख भूगर्भिक घटनाओं ने आज के प्रायद्वीपीय भारत के अपवाह तंत्र को स्वरूप प्रदान किया है:-

1. आरंभिक टर्शियरी काल के दौरान प्रायद्वीप के पश्चिमी पार्श्व का अवतलन या धँसाव जिससे यह समुद्रतल से नीचे चला गया। इससे मूल जल संभर के दोनों ओर नदी की सामान्यतः सममित योजना में गड़बड़ी हो गई।

Under CSR Support by ipca | Foundation

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



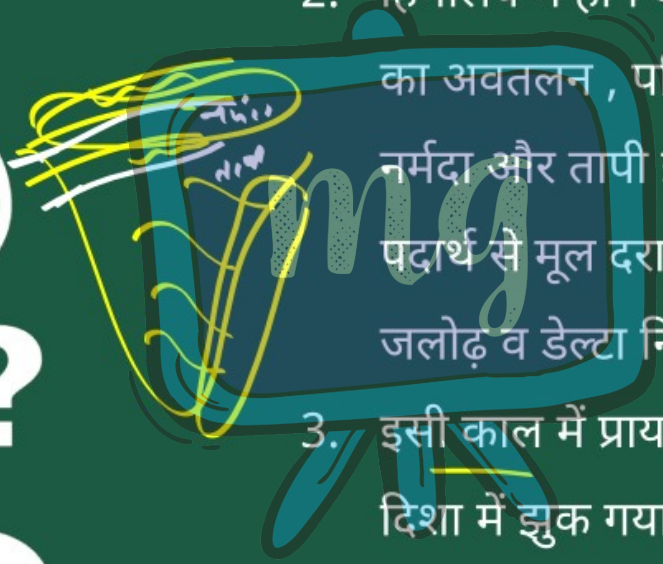

2. हिमालय में होने वाले प्रोत्थान से प्रायद्वीप खंड के उत्तरी भाग का अवतलन , परिणामस्वरूप भ्रंश द्रोणियों का निर्माण। नर्मदा और तापी इन्हीं भ्रंश घाटियों में बह रही हैं और अपरद पदार्थ से मूल दरारों को भर रही हैं। इसीलिए, इन नदियों में जलोढ़ व डेल्टा निक्षेप की कमी पाई जाती है।
3. इसी काल में प्रायद्वीप खंड उत्तर-पश्चिम दिशा से, दक्षिण-पूर्व दिशा में झुक गया।

परिणामस्वरूप इसका अपवाह बंगाल की खाड़ी की ओर उन्मुख हो गया।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न





8 सिंधु नदी के प्रवाह क्षेत्र के बारे में बताइए–



8 सिंधु नदी के प्रवाह क्षेत्र के बारे में बताइए–

उत्तर :

- लद्दाख व जास्कर श्रेणियों के बीच उत्तर-पश्चिमी दिशा में लद्दाख और बालतिस्तान से गुजरती है।
- लद्दाख श्रेणी को काटते हुए जम्मू और कश्मीर में गिलगित के समीप एक दर्शनीय महाखड्ड का निर्माण करती है।
- चिल्लास के निकट दरदिस्तान प्रदेश में पाकिस्तान में प्रवेश करती है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



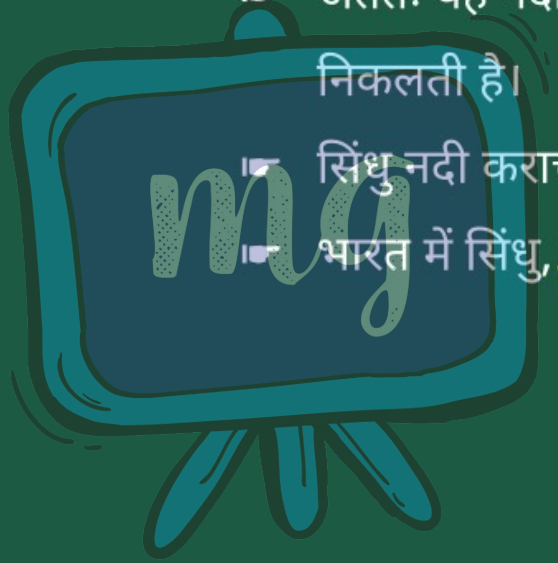

- अंततः यह नदी अटक के निकट पहाड़ियों से बाहर निकलती है।
- सिंधु नदी कराची के पूर्व में अरब सागर में जा गिरती है।
- भारत में सिंधु, जम्मू और कश्मीर राज्य में बहती है।

लद्दाख के.शा.प्र.

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



9 निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(i) देवप्रयाग



9 निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(i) देवप्रयाग

उत्तर :

- देवप्रयाग में भागीरथी, अलकनंदा से मिलती है और इसके बाद गंगा कहलाती है।
- अलकनंदा नदी का स्त्रोत बद्रीनाथ के ऊपर सतोपथ हिमनद है।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



9 (ii) विष्णुप्रयाग

9 (ii) विष्णुप्रयाग

उत्तर :

- विष्णुप्रयाग में धौली और विष्णु गंगा धाराओं के मिलने से अलकनंदा का निर्माण होता है।
- इस स्थान को जोशीमठ या विष्णुप्रयाग कहते हैं।

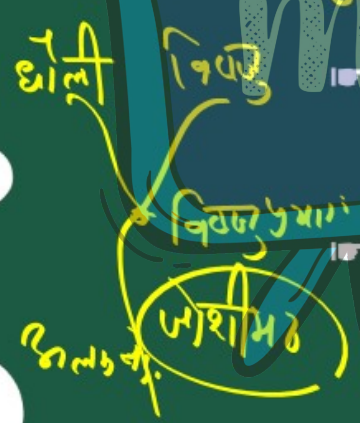

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



9 (iii) कर्ण प्रयाग

9 (iii) कर्ण प्रयाग

उत्तर :

कर्णप्रयाग में अलकनंदा की एक सहायक नदी पिंडार आकर मिलती है।

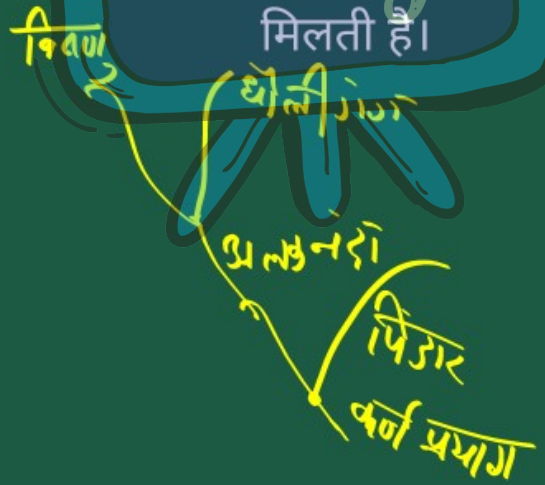



9 (iv) रूद्रप्रयाग

9 (iv) रूद्रप्रयाग

उत्तर :

रूद्रप्रयाग में मंदाकिनी या काली गंगा अलकनंदा से मिलती है।



अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



10 नमामी गंगे कार्यक्रम के मुख्य स्तंभ कौनसे हैं?





10 नमामी गंगे कार्यक्रम के मुख्य स्तंभ कौनसे हैं?

उत्तर :

नमामी गंगे कार्यक्रम के मुख्य स्तंभ

1. सीवेज ट्रीटमेंट व्यवस्था
2. नदी-किनारे का विकास
3. नदी सतह सफ़ाई
4. जैव विविधता

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



5. वनीकरण
6. जन जागरूकता
7. औद्योगिक अपशिष्ट निगरानी
8. गंगा ग्राम

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



11 असम घाटी में ब्रह्मपुत्र नदी की सहायक नदियाँ कौनसी हैं?

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



11 असम घाटी में ब्रह्मपुत्र नदी की सहायक नदियाँ कौनसी हैं?

उत्तर :

- ब्रह्मपुत्र नदी की असम घाटी में 750 किलोमीटर लंबाई है।
- यहाँ असंख्य सहायक नदियाँ
  - ✧ बाएँ तट पर सहायक नदियाँ - बूढ़ी दिहिंग और धनसरी (दक्षिण)।
  - ✧ दाएँ तट पर सहायक नदियाँ - सुबनसिरी, कामेग, मानस व संकोश।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



12 प्रायद्वीपीय नदी तंत्र की प्रमुख नदियाँ कौनसी हैं तथा इनके उद्गम स्थलों के नाम भी बताइए।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

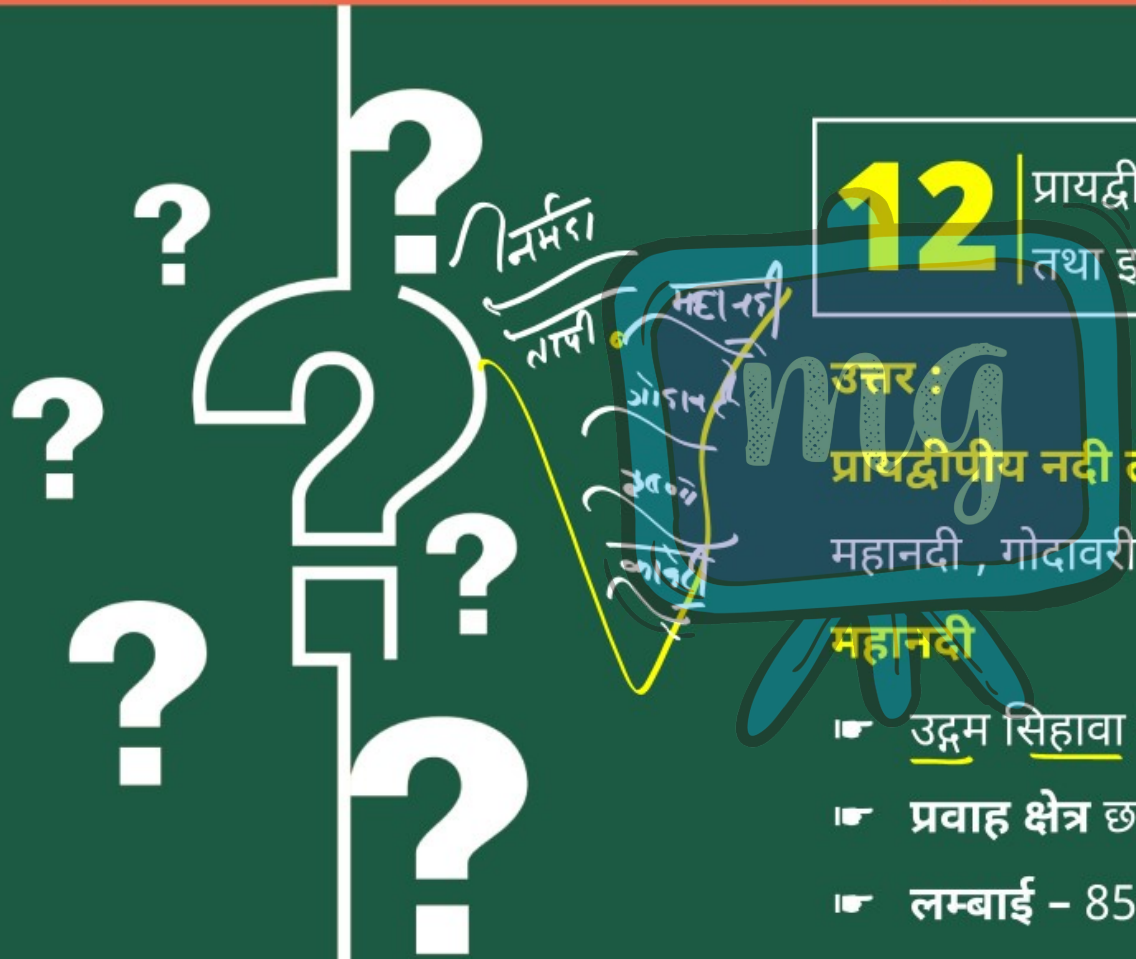

12 प्रायद्वीपीय नदी तंत्र की प्रमुख नदियाँ कौनसी हैं तथा इनके उद्गम स्थलों के नाम भी बताइए।

उत्तर :

प्रायद्वीपीय नदी तंत्र की प्रमुख नदियाँ

महानदी , गोदावरी , कृष्णा , कावेरी , नर्मदा , तापी

महानदी

- उद्गम सिहावा के निकट (रायपुर)
- **प्रवाह क्षेत्र** छत्तीसगढ़ – ओडिशा → बंगाल की खाड़ी
- **लम्बाई** – 851 किलोमीटर

Under CSR Support by ipca | Foundation

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



गोदावरी नदी

- उद्गम नासिक (महाराष्ट्र)
- दक्षिण गंगा
- लंबाई = 1465 किलोमीटर

कृष्णा नदी

- पूर्व दिशा में बहने वाली दूसरी बड़ी प्रायद्वीपीय नदी
- उद्गम सह्याद्रि में महाबलेश्वर के निकट
- लंबाई = 1401 किलोमीटर

Under CSR Support by ipca | Foundation

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



कावेरी नदी

- उद्गम ब्रह्मगिरी पहाड़ियों, कोगाडु (कर्नाटक)
- लंबाई = 800 किलोमीटर

नर्मदा नदी

- उद्गम अमरकंटक पठार के पश्चिमी पार्श्व से लगभग 1,057 मीटर की ऊँचाई से
- लंबाई = 1312 किलोमीटर

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



तापी नदी

- उद्गम – मुलताई (बेतूल, मध्य प्रदेश)
- लंबाई = 724 किलोमीटर

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न





13 जल-संभर क्षेत्र के आकार के आधार पर भारतीय अपवाह द्रोणियों को कितनेभागों में विभाजित किया गया है ? व्याख्या कीजिए।



13 जल-संभर क्षेत्र के आकार के आधार पर भारतीय अपवाह द्रोणियों को कितनेभागों में विभाजित किया गया है ? व्याख्या कीजिए।

उत्तर :

जल-संभर क्षेत्र के आकार के आधार पर भारतीय अपवाह द्रोणियों को तीन भागों में बाँटा गया है:

1. **प्रमुख नदी द्रोणी**

अपवाह क्षेत्र 20,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक 14 नदी द्रोणियाँ शामिल हैं। जैसे – गंगा, बह्मपुत्र, कृष्णा, तापी, नर्मदा, माही, पेन्नार, साबरमती, बराक आदि।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



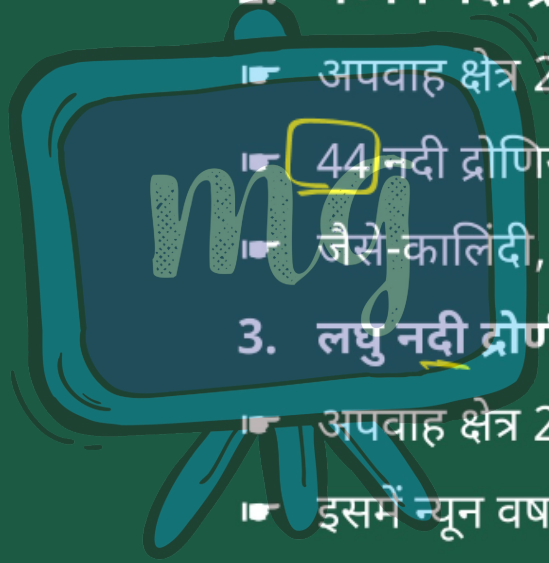

2. **मध्यम नदी द्रोणी**
   - अपवाह क्षेत्र 2,000 से 20,000 वर्ग किलोमीटर
   - 44 नदी द्रोणियाँ हैं।
   - जैसे-कालिंदी, पेरियार, मेघना आदि।
3. **लघु नदी द्रोणी**
   - अपवाह क्षेत्र 2,000 वर्ग किलोमीटर से कम।
   - इसमें न्यून वर्षा के क्षेत्रों में बहने वाली बहुत-सी नदियाँ शामिल हैं।